



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 6, 1975 (अग्रहायण 15, 1897)  
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 6, 1975 (AGRAHAYANA 15, 1897)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 24 अक्टूबर 1975 तक प्रकाशित किए गए हैं—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 24th October 1975 :—

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
209	सं० 110-आई० टी० सी० (पी० एन०)/ 75, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975 No. 110-ITC(PN)/75, dated the 24th October, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	अप्रैल 1975—मार्च 1976 अवधि के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति। Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1975—March, 1976.
210	सं० 46-ई० टी० सी० (पी० एन०)/ 75, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975। No. 46-ETC(PN)/75, dated the 24th October, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	विभिन्न मयों का निर्यात। Export of various items.
211	सं० 111-आई० टी० सी० (पी० एन०)/ 75, दिनांक 24 अक्टूबर 1975 No. 111-ITC(PN)/75, dated the 24th October, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	1-4-75 से 31-3-76 तक की अवधि के लिए अफगानिस्तान से नारियल, काजू एवं खजूरों [क्रम सं० 21 (ए) (i)/4] को छोड़कर सभी प्रकार के ताजे फलों का आयात। Import of Fresh Fruits, all sorts, excluding coconuts, cashewnuts and dates [S. No. 21(a)(i)/IV] from Afghanistan from 1st April, 1975 to 31st March, 1976.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।  
मांग पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these Gazettes.

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
212	सं० 4/59/74—टेक्स 4, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975। No. 4/59/74—Tex. IV, dated the 24th October 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	हथकरघा उद्योग का पुनरुत्थार तथा विकास। Revitalisation and development of handloom industry.
213	सं० 47-ई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 25 अक्टूबर, 1975। No. 47-ETC(PN)/75, dated the 25th October, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	(1) पाकिस्तान को छोड़कर भारत से बाहर किसी अन्य स्थान को जाने वाले यात्रियों के यथार्थ निजी असबाब। (2) पाकिस्तान जाने वाले यात्रियों को असबाब के लिए छूट देना। (1) Bonafide Personal Baggage of a passenger going out of India to places other than Pakistan. (2) Baggage concession to passenger proceeding to Pakistan.
214	सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-78/75, दिनांक 25 अक्टूबर 1975। No. Draw back/PN-78/75, dated the 25th October, 1975.	वित्त मन्त्रालय Ministry of Finance	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन०-1, दिनांक 15 अक्टूबर 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN-1, dated the 15th October, 1971.
215	सं० 112-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 27 अक्टूबर 1975। No. 112-ITC(PN)/75, dated the 27th October, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	अप्रैल 1975—मार्च 1976 लाइसेंस अवधि के लिए आयात नीति—वास्तविक उपभोक्ताओं द्वारा आवेदनपत्रों को भेजने की अन्तिम तिथि। Import Policy for the licensing period April, 1975—March, 1976: Last date for submission of applications by Actual Users.
216	सं० 113-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 31 अक्टूबर, 1975। No. 113-ITC(PN)/75, dated the 31st October, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	1975-76 के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति। Import Policy for Registered Exporters for 1975-76.
	सं० 114-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 31 अक्टूबर 1975। No. 114-ITC(PN)/75, dated the 31st October, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	अप्रैल 1975—मार्च 1976 के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात नीति। Import Policy for Registered Exporters for the period April, 1975—March 1976.
217	सं० एस० 61011 (4)/75-डी० के० I (बी०), दिनांक 1 नवम्बर 1975। No. S. 61011(4)/75—DK. I(B), dated the 1st November, 1975.	श्रम मन्त्रालय Ministry of Labour	उद्योग के शाप-फ्लोर और प्लांट स्तर श्रमिकों के शामिल होने सम्बन्धी योजना। Scheme for Workers' Participation in Industry at shop floor and plant level.
218	सं० 46/1 (एस)/74-स्थापना (ख), दिनांक 5 नवम्बर, 1975। No. 46/1(S)/74-Ests. B, dated the 5th November, 1975.	मन्त्रीमंडल सचिवालय Cabinet Secretariat	“अधिनस्थ सेवा आयोग” का गठन। Setting up of a ‘Subordinate Services Commission’.
219	सं० 115-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75, दिनांक 6 नवम्बर 1975। No. 115-ITC(PN)/75, dated the 6th November, 1975.	वाणिज्य मन्त्रालय Ministry of Commerce	अप्रैल 1975—मार्च 1976 वर्ष के लिए आयात नीति। Import Policy for the year April, 1975 to March, 1976.

## विषय-सूची

पृष्ठ

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	835	जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . . .	3337
भाग I—खंड 2 (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	1871	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . . .	4169
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	—	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . . .	527
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	1585	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	10301
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	—	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .	821
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रश्न समितियों की रिपोर्ट . . . . .	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	—
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और . . . . .		भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .	2073
		भाग IV—नैर-सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . . .	213

## CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	PAGE 835	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . . .	PAGE 3337
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court . . . . .	1871	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) . . . . .	4169
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence . . . . .	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence . . . . .	527
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence . . . . .	1585	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India . . . . .	10301
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations . . . . .	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta . . . . .	821
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills . . . . .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . .	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India . . . . .		PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies . . . . .	2073
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies . . . . .	213

## भाग I—खंड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० 112-प्रेज/75—राष्ट्रपति सीमा सुरक्षा दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री राम मोहन शर्मा

डिप्टी कमांडेंट,

99 बटालियन,

सीमा सुरक्षा दल ।

श्री श्याम सिंह रावत,

सहायक कमांडेंट,

99 बटालियन,

सीमा सुरक्षा दल ।

श्री मातवर सिंह जयूरी,

(स्वर्गीय)

हैड कांस्टेबल सं० 67833053,

99 बटालियन,

सीमा सुरक्षा दल ।

श्री येवितो सेमा,

लांस नायक सं० 73990280,

99 बटालियन,

सीमा सुरक्षा दल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

12 अगस्त, 1974 को सीमा सुरक्षा दल की एक टुकड़ी, जिसमें श्री राम मोहन शर्मा, श्री श्याम सिंह रावत, एक अराजपक्षित अधिकारी और 42 अन्य पदाधिकारी थे, की नागालैंड विरोधियों के साथ मुठभेड़ हुई। टुकड़ी को तीन दलों में बांटा गया एक सहायक कमांडेंट श्री राम श्याम सिंह के नेतृत्व में, दूसरा डिप्टी कमांडेंट श्री शर्मा के नेतृत्व में और तीसरा हैड कांस्टेबल श्री जयूरी के नेतृत्व में। उस क्षेत्र की अपनी स्थानीय जमीन जानकारी और अपने युद्धकौशल की जानकारी के कारण लांस नायक येवितो सेमा ने निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुए विरोधियों के शिविर का पता लगाने के लिये सीमा सुरक्षा दल की टुकड़ी का मार्गदर्शन करने की स्वेच्छा व्यक्त की। जब आक्रमणकारी दल शिविर के पास पहुंचे तो विरोधियों ने अपने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी आरम्भ कर दी। जिस के जबाब में सीमा सुरक्षा दल की टुकड़ियों ने भी गोली चला दी। धुआधार गोलाबारी हुई जिसमें हैड कांस्टेबल

जयूरी की बांयी जांच पर गोली लगी और गंभीर चोट आई किन्तु अपनी चोट और निरन्तर रक्तस्राव से घबराये बिना साहसी हैड कांस्टेबल लगातार अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते रहे और ऐसे स्थान पर पहुंच गये जहां से वह अन्तिम आक्रमण कर सके। परन्तु इतने में वे अपने बावों के कारण वीरगति को प्राप्त हुए। सारी कार्यवाही के दौरान दिखाए गए कुशल नेतृत्व, अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के कारण ही उच्च प्रशिक्षण प्राप्त तथा कटिबद्ध छिपे हुए विरोधियों के शिविर का सफाया करने में सफलता मिली।

इस मुठभेड़ में श्री राम मोहन शर्मा, श्री श्याम सिंह रावत, श्री मातवर सिंह जयूरी और श्री येवितो सेमा ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस और विषम परिस्थितियों के सामने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए उम्भकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिये दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 अगस्त, 1974 से दिया जाएगा।

सं० 113-प्रेज/75—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री जवाहर राय,

(स्वर्गीय)

कान्स्टेबल सं० 68036715,

36वीं बटालियन,

केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

गांव थेप्रेजुमी में भूमिगत विरोधियों के एकत्र होने के बारे में 9 अगस्त, 1974 की सूचना प्राप्त हुई। प्राप्त सूचना के अनुसार कार्रवाई करने और विद्रोहियों को गिरफ्तार करने के लिए केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल की एक टुकड़ी तैनात की गई। कान्स्टेबल जवाहर राय तथा कान्स्टेबल केशर सिंह को दल के पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया। जब कान्स्टेबल जवाहर राय उस मकान के पास पहुंचे जहां भूमिगत विरोधी ठहरे हुए थे तो उन पर विरोधियों ने स्टेनगन से गोलियां चलाईं। वे निभीकता पूर्वक अपनी राइफल को हिप पोজীशन में रख कर मकान की ओर बढ़ गये तथा भूमिगत विरोधियों को आत्मसमर्पण करने के लिये ललकारा। ऐसी स्थिति में मकान के बाहर एक छिपे स्थान पर बैठे कुछ भूमिगत विरोधियों द्वारा गोली चलाये जाने के फलस्वरूप कान्स्टेबल जवाहर राय की बायीं जांच में गोली लगी। अपनी निजी सुरक्षा की बिल्कुल

परवाह न करते हुए कांस्टेबल जवाहर राय एक भूमिगत विरोधी पर झपट और मैगजीन समेत उसकी 9 एम० एम० की स्टेनगन अपने कब्जे में कर ली। जब वे ऐसा कर रहे थे तो उनके सोने में बाईं ओर गोली लगी। भारी मात्रा में खून बह जाने के परिणाम स्वरूप निहाल हो जाने पर भी वीर कांस्टेबल जवाहर राय भागते हुए भूमिगत विरोधी से छोटी स्टेनगन को सम्भाले रहे और अपनी राइफल को भी पकड़े रहे। उन्होंने ऐसी नाजक हालत में भी हिप पोজিশन में रखी अपनी राइफल से दो राउंड गोली चलाई।

इस मुठभेड़ में श्री जवाहर राय ने उत्कृष्ट वीरता, तीव्र सतर्कता और आदर्श कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया तथा इस कार्य में दल की सर्वश्रेष्ठ परम्पराओं के अनुरूप अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 9 अगस्त, 1974 से दिया जाएगा।

सं० 114-प्रेज/75—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मिहिर कुमार चक्रवर्ती,  
उप-निरीक्षक,  
छप्परा थाना,

नादिया जिला (पश्चिम बंगाल)।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

25 जुलाई, 1974 को कुछ उग्रवादियों ने थाना नबद्वीप मे मायापुर स्थित पुलिस कैम्प पर आक्रमण किया, ड्यूटी पर तैनात सन्तरी को मार दिया और कुछ पुलिस बर्दियों के अतिरिक्त 10 राइफलें तथा गोला बारूद के 195 राउंड ले गए। जिले में अपराधियों की विस्तृत खोज के लिए आदेश दिया गया। 11-12 अगस्त, 1974 की रात्रि को थाना छप्परा के उप-निरीक्षक मिहिर कुमार चक्रवर्ती को गांव पोतुआभंगा की झोंपड़ियों में कुछ सशस्त्र उग्रवादियों के एकत्र होने के बारे में सूचना मिली। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि थोड़ा बिलम्ब भी उग्रवादियों को पकड़ने में बाधा डाल सकता है, उप-निरीक्षक ने उपलब्ध स्थानीय पुलिस दल एकत्र किया और बहुत सख्ते उग्रवादियों के छिपने के स्थान पर पहुंच गए और तलाश शुरू कर दी। जब पुलिस दल के रामत अली नामक एक व्यक्ति के मकान के पास पहुंचा तो उग्रवादियों के सशस्त्र गिरोह ने उन पर अचानक आक्रमण कर दिया और उन पर कुछ बम भी फेंके उप-निरीक्षक चक्रवर्ती ने अपने दल को सूझबूझ से बांट दिया और उन्होंने तुरन्त मोर्चा सम्भाल लिया। जवाबी भारी गोला-बारी में पुलिस ने 4 उग्रवादियों को गोली से मार दिया एक को पकड़ लिया और उनसे दो राइफलें, कुछ पुलिस बर्दियां और गोला बारूद भी बरामद कर लिये।

इस मुठभेड़ में उप-निरीक्षक मिहिर चक्रवर्ती ने उत्कृष्ट साहस, पहल शक्ति और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 12 अगस्त, 1974 से दिया जाएगा।

सं० 115-प्रेज/75—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री रेखा शंकर,

(स्वर्गीय)

कांस्टेबल, जिला प्रशासनिक दल,

भोपाल,

मध्य प्रदेश।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

5 अप्रैल, 1975 की रात को लगभग 9.30 बजे भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स (लि०) के एक कर्मचारी श्री बी० के० नायर अपनी पत्नी सहित जब बारखेड़ा विपणन केन्द्र की ओर जा रहे थे तो चार अज्ञात व्यक्तियों ने उनको घेर लिया। उन अपराधियों में से दो ने श्रीमती नायर पर आक्रमण किया और चाकू दिखाकर उनके गले से सोने की जंजीर झपट ली। शेष दो ने श्री नायर को पकड़ लिया तथा उनसे जबरन हाथ की घड़ी तथा नकदी छीन ली। दम्पति की चीखों ने थाना गोविन्दपुरा के कांस्टेबल रेखा शंकर तथा छोटे लाल का ध्यान आकर्षित किया जो रात की गश्त पर राज्य परिवहन की बस में जा रहे थे। कांस्टेबल रेखा शंकर तुरन्त बाहर कूद पड़े और अपराधियों को पकड़ने के लिए आगे बढ़े। पुलिस कर्मचारियों को अपनी ओर आते देख कर अपराधी भाग निकले। दोनों कांस्टेबलों ने उनका तेजी से पीछा किया। कांस्टेबल रेखा शंकर अपराधियों में से एक को पकड़ने में सफल हो गए और उस के हाथ में चाकू की परवाह न करते हुए उस से भिड़ गए। इस हाथापाई के दौरान एक और लुटेरे ने पीछे से कांस्टेबल पर आक्रमण कर दिया और पेट तथा पीठ में चाकू घोंप दिया। कांस्टेबल खून से लथपथ होकर गिर गए और चोट के परिणामस्वरूप उनकी मृत्यु हो गई।

कांस्टेबल रेखा शंकर ने उत्कृष्ट वीरता, अदम्य साहस और असाधारण कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया जिसे निभाते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 5 अप्रैल, 1975 से दिया जाएगा।

क० बालचन्द्रन, राष्ट्रपति के सचिव

मंत्रिमण्डल सचिवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

नियम

सं० 6/42/75-के० से०-1—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 1976 में संघ

लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किये जा रहे हैं:—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (बी) के सामान्य संवर्ग (सहायक) का ग्रेड-IV
- (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड IV (सहायक)
- (iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड
- (iv) सशस्त्र सेनाएं मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड और
- (v) भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों और सम्बद्ध कार्यालयों में जो भारतीय विदेश सेवा (बी) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेनाएं मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं, सहायकों के पद।

1. कोई भी उम्मीदवार उपरोक्त किसी भी एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता कर सकता है। वह इन में से जितनी सेवाओं/पदों के लिये विचार किया जाना चाहता है, उनका उल्लेख अपने आवेदन पत्र में कर सकता है।

ध्यान दें:—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि जिन सेवाओं/पदों के लिये वे चाहते हैं कि उनके संबंध में विचार किया जाये उनका वरीयता क्रम से स्पष्टतः उल्लेख करें। उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन पत्र में सेवाओं/पदों के लिये जिस वरीयता क्रम का मूल रूप से उल्लेख किया गया होगा उसमें रद्दोद्बल के लिये किये गये किसी अनुरोध पर उस हालत में गौर नहीं किया जाएगा यदि ऐसा अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए आयोग द्वारा निर्धारित अन्तिम तिथि को या उससे पहले नहीं पहुंच गया हो।

2. (i) परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों को संख्या आयोग द्वारा जारी किए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरक्षित रखे जायेंगे।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्न-लिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों में से किसी एक से है:—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा

यथा संशोधित) संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1959, संविधान (वादर और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (वादर और नागर हवेली) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1917, संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1970।

- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा-ग्रेड-IV (सहायक) की रिक्तियों में उन उम्मीदवारों के लिए भी सरकार द्वारा यथा निश्चित रिक्तियां आरक्षित रखी जाएगी, जो भूतपूर्व सैनिक हों।

टिप्पणी:—इन नियमों के प्रयोजन के लिए भूतपूर्व सैनिक का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसमें भूतपूर्व भारतीय रियासतों की सशस्त्र सेनाओं सहित संघ की सशस्त्र सेनाओं (जैसे संघ को जल, थल और वायु सेना) में किसी भी रैंक में (चाहे लड़ाकू सैनिक के रूप में, अथवा गैर-लड़ाकू सैनिक के रूप में 27-1-76 को सत्यापन के बाद कम से कम छः मास की अवधि तक निरन्तर सेवा की हो : किन्तु इसमें असम राइफल्स, डिफेंस सिक्युरिटी कोर जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू व कश्मीर मिलीसिया लोक सहायक सेना और टैरीटोरियल आर्मी) की सेवा शामिल नहीं हैं, और

- (i) वह निर्मुक्त हुआ हो बशर्ते कि ऐसी निर्मुक्ति बुराचार अथवा अदक्षता के कारण पदच्युत या सेवा मुक्त द्वारा न हो अथवा ऐसी निपुक्ति होने तक रिजर्व कर दिया गया हो : अथवा,

- (ii) निर्मुक्त के लिए अथवा जैसा ऊपर कहा गया है, रिजर्व के लिए स्थानान्तरित होने का हकदार बनने के लिए अपेक्षित सेवा की अवधि पूरी करने के लिए 27-1-76 को अधिक से अधिक छः मास की सेवा करनी है।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-II में निर्धारित ढंग से ली जायेगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे

4. उम्मीदवार को या तो—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य पूर्वी अफ्रीका के देशों से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार को पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिये।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को, जिसके लिये पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो, भी परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है और अन्तिम रूप में उसे नियुक्त भी किया जा सकता है बशर्ते कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाण पत्र दे दिया जाए।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का न हो या 20 दिसम्बर, 1961 से पहले गोआ, दमन और दीव के भूतपूर्व पुर्तगाली राज्य क्षेत्र का निवासी न हो या कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य का प्रजनक न हो वह प्रतियोगिता में दो से अधिक बार नहीं बैठेगा। यह प्रतिबन्ध वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

टिप्पणी 1:—इस नियम के प्रयोजन के लिए परीक्षा का अर्थ सहायक ग्रेड परीक्षा, सहायक ग्रेड निर्मुक्त आपातकालीन आयुक्त/अल्पकालीन सेवा आयुक्त अधिकारी तथा भूतपूर्व सैनिक) परीक्षा और सहायक ग्रेड (भूतपूर्व सैनिक परीक्षा है)

टिप्पणी 2:—यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता परीक्षा में बैठे हो तो इस नियम के प्रयोजन के लिए यह मान लिया जाएगा कि वह एक ही बार में उक्त परीक्षा के अन्तर्गत आने वाली सब सेवाओं/पदों के लिये बैठ चुका है।

टिप्पणी 3:—यदि कोई उम्मीदवार वस्तुतः एक ही विषय या अधिक विषयों की परीक्षा में ही बैठा हो तो यह माना जायेगा कि वह प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ चुका है।

6. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह आवश्यक है कि पहली जनवरी, 1976 की उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की हो चकी हो किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1951 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1956 के बाद न हुआ हो।

(ख) भूतपूर्व सैनिकों के मामले में सशस्त्र सेना में उनकी कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि करके ऊपरी आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

परन्तु यह कि आयु सीमा में दी गई इस रियायत के अधीन परीक्षा में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवार केवल उन रिक्तियों के लिए ही प्रतियोगी करने के पात्र होंगे जो रेल बोर्ड सचिवालय सेवा ग्रेड-IV (सहायक) में भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित (देखिए नियम 2)।

टिप्पणी:—सशस्त्र सेना में किसी भूतपूर्व सैनिक की सेवा में बुलाए जाने की अवधि को भी उपयुक्त नियम 6(ख) के प्रयोजन के लिए सशस्त्र सेना में की गई सेवा के रूप में माना जाएगा।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्न-लिखित मामलों में ढील दी जा सकेगी:—

(I) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,

(II) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(III) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित आदिम जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद परन्तु 25 मार्च 1971 से पहले उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(IV) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(V) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अनुसूचित आदिम जाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(VI) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(VII) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(VIII) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(IX) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अंशातिप्रस्त क्षेत्र में कार्यवाही के दौरान विक्लांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गये रक्षा कामियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(X) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अंशातिप्रस्त क्षेत्र में कार्यवाही के दौरान विक्लांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कामियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

(XI) यदि उम्मीदवार 20 दिसम्बर, 1961 से पहले गोआ, दमन और दीव के भूतपूर्व पूर्तगाली राज्य क्षेत्र का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान कार्यवाही में विक्लांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कामियों के लिए अधिक अधिक तीन वर्ष तक,

(XIII) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान कार्यवाही में विक्लांग होने के परिणाम-स्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कामियों के लिये, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष तक ।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयुसीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

7. उम्मीदवार के पास परिशिष्ट 1 में दिये गये किसी विश्वविद्यालय की डिग्री होनी चाहिए अथवा परिशिष्ट 1-क में उल्लिखित कोई अर्हता होनी चाहिये ।

टिप्पणी-I :— कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा में बैठने का पात्र होगा, परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा ।

टिप्पणी-II:—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता नहीं, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसके स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है ।

टिप्पणी-III:—ऐसे उम्मीदवार, जो अन्य सभी दृष्टियों से योग्य हों परन्तु जिन्होंने ऐसे विदेशी विद्यालयों से डिग्रीयां ली हों, जिन्हें परिशिष्ट-1 में शामिल नहीं किया गया है, भी

आयोग को अपना आवेदन पत्र भेज सकते हैं, और आयोग चाहे तो उन्हें भी परीक्षा में बैठने की अनुमति दे सकता है ।

8. नैमित्तिक या दिहाड़ी वाले कर्मचारियों को छोड़ कर जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी सेवा में हों, चाहे वे स्थायी अथवा अस्थायी हैसियत से हैं अथवा कार्य प्रभारी हैं, उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने संबंधित विभाग अथवा कार्यालय के अध्यक्ष के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए जो आवेदन पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठोंकन को पूरा करके आयोग को अप्रेषित करेगा । ऐसे उम्मीदवारों को, अपने ही हित में अपने आवेदन पत्रों की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधे प्रस्तुत करनी चाहिए । इन पर निर्धारित फीस साथ होने पर अन्तिम रूप से विचार किया जाएगा परन्तु मूल आवेदन पत्र अन्तिम तारीख के बाद सामान्यतः पन्द्रह दिन के भीतर आयोग को पहुंच जाना चाहिए । यदि ऐसा कोई व्यक्ति, जो पहले से ही सरकारी नौकरी में है, अपने आवेदन पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित फीस सहित प्रस्तुत नहीं करता है अथवा उसके द्वारा प्रस्तुत की गई अग्रिम प्रति आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख को अथवा इसके पहले प्राप्त नहीं होती है तो उसके विभाग अथवा कार्यालय के प्रधान के माध्यम से प्रस्तुत किये गये आवेदन पत्र पर, यदि वह आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हुआ हो, विचार नहीं किया जाएगा ।

9. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा ।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो ।

उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के अनुबंध-I में निर्धारित फीस देनी होगी ।

12. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित बातों के लिए दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त किया है, अथवा,
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा,
- (iv) जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा,
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं; अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचारण किया है, अथवा



(1x) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अवकाश किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवशेषित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है। और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अवकाश

(ख) उसे अस्थायी रूप से अवकाश एक विशेष अवधि के लिये

(i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अवकाश चयन के लिये,

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा, अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

13. परीक्षा के बाध आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तियों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनाएगा और इस परीक्षा का परिणाम निकालने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए सिफारिश की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य माने गए हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए सिफारिश किए जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवा/पदों पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त हों,

लेकिन यह भी कि यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के भूतपूर्व सैनिकों के लिए रेल बोर्ड सचिवालय सेवा के ग्रेड-IV (सहायक) में अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों से नहीं भरे जा सकते हों तो, भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों में से उनके लिए आरक्षित कोटा में कमी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति के लिए सिफारिश किए जा सकेंगे। बशर्ते कि उम्मीदवार उक्त सेवा पर चयन के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं

करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये बताए गए वरीयता क्रम पर उचित ध्यान दिया जाएगा (आवेदन-पत्र का स्तम्भ 25 देखिए)।

16. यदि रेल बोर्ड, सचिवालय सेवा के ग्रेड-IV (सहायक) में भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षा के परिणाम से पर्याप्त संख्या में अर्हताप्राप्त उम्मीदवार उपलब्ध न हों तो न भरी गई रिक्तियों को सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में निर्धारित तरीके से भरा जाएगा।

17. नियुक्तियां दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर की जाएंगी यदि आवश्यक समझा गया तो परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

18. उम्मीदवार को सहायक ग्रेड में उनकी नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर कम से कम 30 शब्द प्रतिमिनट की गति से अंग्रेजी टाईपिंग या 25 शब्द प्रति मिनट के गति से हिन्दी टाईपिंग परीक्षा पास करनी होगी यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास न कर सकें तो वे सहायक ग्रेड में आगे वेतन वृद्धि पाने के तब तक हकदार नहीं होंगे जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास न कर लें या उन्हें किसी विशेष या सामान्य आदेश के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से छूट न दी जाये और परीक्षा पास कर लेने पर या उससे छूट मिल जाने पर उनका वेतन यह मान कर फिर से इस प्रकार नियत किया जाएगा कि उन की वेतन-वृद्धि रोकी ही नहीं गई थी, परन्तु जितनी अवधि के लिए वेतन-वृद्धि रोकी गई थी उस अवधि का बकाया वेतन उन्हें नहीं दिया जाएगा।

19. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जायेगा। परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सृष्ट के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के स्वीकार्य है और ऐसा करने का अन्य कारण भी है, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

20. उम्मीदवार की मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा पद/के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्षम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी।

केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिन पर नियुक्ति के संबंध में विचार किए जाने की संभावना हो।

21. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता, इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

22. केन्द्रीय सचिवालय सेवा, भारतीय विदेश सेवा (ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सहायकों और भारत के चुनाव आयोग तथा पर्यटन विभाग में सहायकों के पदों की सेवा की शर्तें परिशिष्ट- III में संक्षेप में दी गई हैं।

के० बी० नायर,  
अवर सचिव

#### परिशिष्ट- I

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची  
(देखिए नियम 7)

भारतीय विश्वविद्यालय :

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के अधिनियम से निगमित किया गया हो या अन्य शिक्षा संस्थाएं, जिन्हें संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित किया गया हो, अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किया गया हो।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय

मांडले विश्वविद्यालय

इंग्लैंड और वेल्स के विश्वविद्यालय :

बर्मिंघम, क्रिस्टल, कैम्ब्रिज, डर्हम, लीड्स, लिवरपूल, लंदन, मैनचेस्टर, आक्सफोर्ड, रीडिंग, शेफील्ड और वेल्स के विश्वविद्यालय

स्कॉटलैंड के विश्वविद्यालय :

एबरडीन, एडिनबरा, ग्लासगो और सेन्ट एन्ड्रूज विश्वविद्यालय  
आयरलैंड के विश्वविद्यालय :

डबलिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कॉलेज) नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ आयरलैंड, दि क्वीन्स यूनिवर्सिटी वेलपास्ट।

पाकिस्तान के विश्वविद्यालय :

पंजाब विश्वविद्यालय, सिंध विश्वविद्यालय।

बंगला देश के विश्वविद्यालय :

ढाका विश्वविद्यालय, राजशाही विश्वविद्यालय।

नेपाल के विश्वविद्यालय :

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।

#### परिशिष्ट-I-क

परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये मान्यता प्राप्त योग्यताएं  
(देखिए नियम 7)

1. गुरुकुल विश्वविद्यालय, कांगड़ी, हरिद्वार की अंलकार डिग्री।
2. काशी विद्यापीठ, वाराणसी का 'शास्त्री'
3. फ्रांसीसी परीक्षा 'प्रापेद तोक' (Propedeutique)
4. उच्चतर ग्राम शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् का ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।
5. विश्वभारतीय विश्वविद्यालय का ग्राम सेवाओं में डिप्लोमा।
6. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का वाणिज्य में डिप्लोमा।
7. केन्द्र सरकार के अधीन उच्च सेवाओं और पदों की भर्ती के लिये सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् का इंजीनियरी अथवा प्रायोगिक में राष्ट्रीय डिप्लोमा।
8. भारतीय खनन विद्यालय, धनबाद, की खनन इंजीनियरी में डिप्लोमा।
9. श्री अरविंद अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पाडिचेरी का 'उच्चतर पाठ्यक्रम' यदि पूर्ण छात्र (फुल स्टूडेंट) के रूप में यह 'पाठ्यक्रम' सफलतापूर्वक पूरा किया हो।
10. शास्त्री (अंग्रेजी सहित) या पुराना शास्त्री या सम्पूर्ण शास्त्री परीक्षा जिसमें अंग्रेजी एक विषय सहित अतिरिक्त विषयों में विशेष परीक्षा हो अर्थात् वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय का वरिष्ठ शास्त्री।
11. मानवशास्त्र एवं प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में सोवियत रूस के किसी उच्च शिक्षण संस्थान का समकक्ष स्नातक डिप्लोमा बिना प्रथम वैज्ञानिक निबन्ध के परन्तु राज्य परीक्षाएं पास किये जाने पर।
12. बैरुत के अमरीकन विश्वविद्यालय, बैरुत, लेबनान की कला स्नातक (बी० ए०) तथा विज्ञान स्नातक (बी० एस० सी०) की उपाधियां।
13. केन्टरबरी, इंग्लैंड के केरल विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई कला स्नातक, विज्ञान-स्नातक और कला स्नातक (ग्रानर्स) विज्ञान-स्नातक (ग्रानर्स) की डिग्री।
14. कामेश्वर सिंह वरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा की तबीन आचार्य परीक्षा (शास्त्री स्तर पर अंग्रेजी सहित)।

## परिशिष्ट II

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिये दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1. निबन्ध	100	2 घन्टे
2. सामान्य अंग्रेजी	200	3 घन्टे
3. अंकगणित	100	2 घन्टे
4. सामान्य ज्ञान, जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है।	100	2 घन्टे

2. परीक्षा का पाठ्य विवरण साथ लगी अनुसूची में दिया गया है।

3. उम्मीदवार प्रश्न पत्र 1 या प्रश्न पत्र 3 या प्रश्न पत्र 4 अथवा तीनों प्रश्न पत्रों का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अंग्रेजी में दे सकते हैं। प्रश्न पत्र 2 का उत्तर सभी उम्मीदवारों को अंग्रेजी में ही देना पड़ेगा।

परन्तु प्रश्न पत्र केवल अंग्रेजी में ही तैयार किए जाएंगे। फिर भी, निबन्ध के प्रश्न पत्र में निबन्धों के अंग्रेजी शीर्षकों का हिन्दी रूपान्तर भी दिया जाएगा।

नोट-1:—यह विकल्प पूरे प्रश्न पत्र के लिये होगा, उसी प्रश्न पत्र के विभिन्न प्रश्नों के लिए नहीं।

नोट-2:—उक्त प्रश्नों पत्रों के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में देने का विकल्प चाहने वाले उम्मीदवारों को अपने इस इरादे का उल्लेख आवेदन पत्र के कालम 8 में स्पष्ट रूप से करना चाहिये, नहीं तो यह समझा जाएगा कि वे सभी प्रश्न पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में ही देंगे।

एक बार लिया गया विकल्प अंतिम माना जाएगा और उक्त कालम में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

6. केवल सतही ज्ञान के लिये अंक नहीं दिए जाएंगे।

7. खराब लिखाई के कारण लिखित विषयों के पूर्णांकों में से 5 प्रतिशत अंक काट लिये जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में, क्रम-बद्ध, प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक ठीक की गई भाषा-व्यक्ति को विशेष महत्व दिया जाएगा।

9. उम्मीदवारों से मुद्रा, तोल, और माप की मीट्रिक प्रणाली से परिचित होने की आशा की जाती है। प्रश्न पत्रों

में यथा आवश्यक मुद्रा तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

## अनुसूची

## परीक्षा का पाठ्य विवरण

1. निबन्ध दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखना होगा।

## 2. सामान्य अंग्रेजी:—

(i) सारलेखन और मसौदा लेखन:—अंग्रेजी समझने और लिखने की शक्ति की परीक्षा करने के लिए प्रश्न पूछे जाएंगे। आमतौर पर, संक्षेप या सार लिखने के लिये अवतरण (पैसेज) दिये जाएंगे। उम्मीदवारों को कुछ सामग्री दी जाएगी और उन्हें सामग्री का समुचित उपयोग करते हुए, पत्रों, ज्ञापनों आदि के मसौदे तैयार करने को भी कहा जाएगा।

(ii) पर्यायों, विलोमों, शब्दों तथा पदों के मुहावरेदार प्रयोग और सामान्य भूलों के बारे में प्रश्न पूछे जाएंगे।

(iii) शब्द भेद (पार्ट्स ऑफ स्पीच), वाक्य विश्लेषण वाक्य रचना तथा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कथन (डायरेक्ट और इन्डायरेक्ट स्पीच)

नोट:—प्रश्न पत्र 2 में सार लेखन के लिए 75 अंक, मसौदा लेखन के लिये 75 अंक और व्याकरण, मुहावरों आदि के लिये 50 अंक होंगे।

प्रश्न पत्र 1 और 2 का उद्देश्य उम्मीदवारों को शुद्ध भाषा लिखने की योग्यता को परीक्षा करना है। वाक्य विन्यास तथा योजना, सामान्य अभिव्यक्ति और भाषा के व्यावहारिक प्रयोग पर ध्यान दिया जाएगा।

## 3 अंकगणित

दशमलव भिन्नों का सरलीकरण/अनुपात तथा समानुपात, प्रतिशतता, औसत, लाभ और हानि, साधारण और चक्रवृद्धि व्याज। समय तथा दूरी, समय और काम {आंकड़ों के लेखा-चित्रीय निरूपण, रेखिक ग्राफों के पढ़ने और आंकड़ों के सारणीकरण के प्रश्न।

बुद्धिमता, यथासम्यक्ता और काम और तेजी से करने की योग्यता जांच करने के लिये प्रश्न पूछे जाएंगे।

टिप्पणी:—प्रश्न पत्र में जब तक अन्यथा निर्धारित नहीं किया जाय तब तक उम्मीदवार प्रश्न पत्रों को सरल करने में बीजगणित की रीति का प्रयोग कर सकते हैं।

## 4 सामान्य ज्ञान, जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है

मासजिक घटनाओं का ज्ञान और जो कुछ हम प्रतिदिन देखते और अनुभव करते हैं उनके वैज्ञानिक पक्षों का ज्ञान, जो एक ऐसे साधारण पढ़े लिखे आदमी को होना चाहिए जिसमें किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया

हो इस प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे इस प्रश्न पत्र में भारतीय इतिहास संबंधित ऐसे प्रश्न भी पूछे जाएंगे जिसका उत्तर उम्मीदवार बिना किसी विशेष अध्ययन के ही दे सकते हैं।

### परिशिष्ट III

उन सेवाओं/पदों से संबंधित संक्षिप्त विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के द्वारा भर्ती की जा रही है।

#### (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा

केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे लिखे चार ग्रेड हैं:—

चयन (सेलेक्शन) ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)  
र० 1500-60-1800-100-2000।

(2) ग्रेड I (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी) र० 1200-50-1600।

(3) अनुभाग अधिकारी ग्रेड-र० 650-30-740-35-810-  
द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200।

(4) सहायक ग्रेड : र० 425-15-500-द० र०-15-  
650-20-700-द० र०-25-800।

नोट: जो सहायक, अनुभाग अधिकारियों के पद पर पदोन्नत किये जाते हैं, उन्हें कम से कम 710 र० प्रति मास वेतन दिया जाएगा।

2. सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जाएगा। इस परीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सकें तो उसे सेवा से मुक्त किया जा सकेगा।

3. परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे और बढ़ा सकती है।

4. केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी एक मंत्रालय/या कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि उन्हें किसी भी समय ऐसे किसी एक मंत्रालय या कार्यालय में स्थानान्तरण किया जा सकता है।

5. सहायक इस संबंध में समय समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ऊंचे ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।

6. जिन व्यक्तियों को उनके अपने ही विकल्प के आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में नियुक्त किया गया हो वे अपनी इस नियुक्ति के बाद भारतीय विदेश सेवा (ख) या रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा योजना के संवर्ग (केडर) के किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे।

#### (2) भारतीय विदेश सेवा (ख)

विदेश मंत्रालय में और विदेशों में स्थित भारतीय सैन्यिक कांसुलर एवं वाणिज्यिक हूतावासों व केन्द्रों में सहायकों के सभी पद तथा विदेश व्यापार मंत्रालय में सहायकों के कुछ पद भारतीय पद भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड 4 में सम्मिलित हैं। ग्रेड 4 के नीचे के ग्रेडों को छोड़ कर भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के विभिन्न ग्रेड निम्नलिखित हैं:—

ग्रेड	पद	वेतनमान
ग्रेड-I	मुख्यालय में अवर सचिव, विदेशों में स्थित मिशनों और पदों पर प्रथम और द्वितीय सचिव।	र० 1200-50-1600
एकीकृत ग्रेड II और III	मुख्यालयों में सहायक (अताशी) और अनुभाग अधिकारी विदेशों में स्थिति मिशनों और मुख्यालयों में उप कांसुल और रजिस्ट्रार।	र० 650-30-740-35-810-द० र०-35-880-40-1000-द० र०-40-1200।
ग्रेड-IV	मुख्यालय में तथा विदेशों में स्थित मिशनों और पदों पर सहायक।	र० 425-15-500-द० र०-15-650-20-700-द० र०-25-800।

टिप्पणी:—एकीकृत ग्रेड-II और III में पदोन्नत सहायकों को कम से कम 710/- रुपये मासिक वेतन दिया जाता है।

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-IV (सहायक) के लिये चुने गये उम्मीदवारों को प्रारम्भ में अस्थायी रिक्तियों में नियुक्त किया जाएगा। फिर भी, वे अन्यथा प्राप्त होने पर अपनी बारी में, भारतीय विदेश सेवा (ख) (भर्ती, संवर्ग, बरिष्ठता और पदोन्नति नियम, 1964 के अनुसार स्थायी किए जाएंगे, किन्तु यह अस्थायी रिक्त स्थानों की उपलब्धि पर निर्भर होगा। उम्मीदवारों को ग्रेड IV में नियुक्ति सामान्य तथा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित क्रमानुसार की जाएगी, यदि विदेश सेवा में योग्य नहीं पाए जाने पर उन्हें अस्वीकार न किया गया हो।

3. भारतीय विदेश सेवा (ख) में सामान्य संवर्ग के ग्रेड-IV में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष तक परीक्षाधीन रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने होंगे और ऐसी परीक्षाएं पास करनी होंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित की गई हों। प्रशिक्षण के दौरान संतोष जनक प्रगति न करने अथवा परीक्षाएं पास न करने के फलस्वरूप परीक्षाधीन को नौकरी से निकाला जा सकता है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय सचिवालय सेवा और रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा संवर्ग में शामिल पदों पर नियुक्त किए जाने का अधिकार नहीं होगा।

इसके अतिरिक्त ऐसे सभी व्यक्ति जिन्हें भारत अथवा विदेश में किसी पद पर नियुक्त किया जाए, सेवा करने को बाध्य होंगे।

5. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सदस्य जब भारत में सेवारत हों तो उन्हें अपने मूल वेतन के अतिरिक्त ऐसे भत्ते भी मिलेंगे जो अन्य केन्द्रीय सरकार के समान पद धारण करने वाले कर्मचारियों को मिलते हैं। जब ये अधिकारी विदेश में नियुक्त किए जाते हैं तो कुछ रियायतें पाने के हकदार होंगे—जैसे उनके लाभ के लिखे सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित वेतनमान के अनुसार विदेश भत्ता, निःशुल्क फर्नीचर, युक्त निवास स्थान, बच्चों का शिक्षण भत्ता, सज्जा भत्ता और उनके तथा उनके परिवार इत्यादि के लिखे यात्रा भाड़ा इत्यादि किया जाता है। ये रियायतें ऐसे सामान्य निर्णयों के अनुसार जो कि सरकार लेती है वापस ली जा सकती है, संशोधित की जाती है अथवा बढ़ाई जा सकती है।

6. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त सभी अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा ख) (भर्ती, संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1964 के अधीन और अन्य ऐसे नियमों के विनियमों के अधीन होंगे जो सेवा पर लागू होने के लिये सरकार अधिनियम में बनाए।

7. भारतीय विदेश सेवा के सामान्य संवर्ग (सहायक) के ग्रेड-IV में नियुक्त व्यक्ति, भारतीय विदेश सेवा (शाखा ख) भर्ती, संवर्ग, (वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1964 में समाविष्ट उपबंधों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति पाने के पात्र होंगे।

नोट:—भारतीय विदेश सेवा (भर्ती-संवर्ग, वरिष्ठता और पदोन्नति) नियम, 1961 के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-I के अधिकारियों का भारतीय विदेश सेवा (क) के वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति के लिये रु० 1200-(छठा वर्ष अथवा उससे कम) 50-1300-60-1600-द० रु०-60-1900-100-2000 वेतनमान में सीमित कोटा उपलब्ध है।

### (III) रेलवे बोर्ड सचिवालय

(क) जहां तक भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति आदि का संबंध है, रेलवे मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारियों को सेवा की शर्तें रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियम, 1969 द्वारा नियमित होती हैं, जो मोटे तौर पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम, 1962 के समान ही हैं।

(ख) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में नीचे लिखे ग्रेड शामिल हैं :—

(i) चयन ग्रेड—नियुक्त निदेशक/उप सचिव रेलवे बोर्ड के ग्रेड रु० 1500-60-1800-100-2000 के ऐसे पद जो रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारियों द्वारा समय समय पर धारण किए जाते हैं।

(ii) (क) उपनिदेशकों का ग्रेड :

उपनिदेशक रेलवे बोर्ड के ऐसे पद जो रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारियों द्वारा समय समय पर धारण किए जाते हैं। रु० 900-50-1250 तथा साथ में विशेष वेतन 200 रु० मासिक। इस ग्रेड के संशोधित वेतनमान अभी विचाराधीन है और संशोधित

वेतनमान, जैसा कि सरकार द्वारा निर्णय किया जाएगा लागू किए जाएंगे।

(ख) ग्रेड-I:—सहायक निदेशक और अवर सचिव रु० 1200-50-1600।

(iii) अनुभाग अधिकारी ग्रेड रु० 650-30-740-35-810-द० रु०-35-880-40-1000-द० रु० 40-1200।

(iv) सहायक ग्रेड रु० 425-15-500-द० रु०-15-560-20-700-द० रु०-25-800।

अनुभाग अधिकारियों और सहायकों के पदों पर सीधी भर्ती की जाती है। जो सहायक अनुभाग अधिकारियों के पद पर पदोन्नत किए जाते हैं, उन्हें कम से कम 710 रु० प्रतिमास वेतन दिया जाता है।

(ग) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा रेलवे मंत्रालय तक ही सीमित है और इसके कर्मचारियों का स्थानान्तरण केन्द्रीय सचिवालय सेवा की भांति अन्य मंत्रालयों को नहीं हो सकता है।

(घ) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों को सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा।

(ङ) सहायक इस सम्बन्ध में समय समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ऊंचे ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।

(च) इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती किए गए रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के अधिकारी:—

(i) पेंशन के लाभों के पात्र होंगे और,

(ii) जिस दिन कार्य संभालें उस तारीख को नियुक्त रेलवे कर्मचारियों पर लागू होने वाले गैर अंश-दायी राज्य रेल भविष्य निधि के नियमों के अन्तर्गत निधि में अभिवान करेंगे।

(छ) रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारियों को अन्य रेल कर्मचारियों के समान ही पास और सुविधा टिकट आदेश (पी० टी० ओ०) की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

(ज) जहां तक छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है; रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों को रेलवे के अन्य अधिकारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में इन पर वे ही नियम लागू होंगे जो केन्द्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनके मुख्यालय नई दिल्ली में हैं।

## (IV) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा

सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में इस समय नीचे लिखे चार ग्रेड हैं :—

ग्रेड	वेतनमान
(1) सहायक ग्रेड (संयुक्त निदेशक या वरिष्ठ सिविलियन स्टाफ अफसर) (श्रेणी-I)	रु० 1500-60-1800।
* (2) सिविलियन स्टाफ अफसर (श्रेणी-I)	रु० 740-30-800-50-1150।
(3) सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी (श्रेणी-III राज-पत्रित)	रु० 650-30-740-35-810-४० रु०-35-880-40-1000-४० रु०-40-1200।
(4) सहायक (श्रेणी-II अराज-पत्रित)	रु० 425-15-500-४० रु०-15-560-20-700-४० रु०-25-800।

\*पूर्व परिषोधन वेतनमान।

नोट:—सहायक के ग्रेड के अधिकारी को सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी के ग्रेड पर पदोन्नत होने पर सहायक सिविल स्टाफ अधिकारी के ग्रेड के वेतनमान में कम से कम 710-00 रुपये का आरम्भिक वेतन दिया जाएगा।

- (2) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को, दो वर्ष तक परीबीक्षा में रखा जाएगा। इस परीबीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीबीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सकें तो उसे सेवा से मुक्त किया जा सकेगा।
- (3) परीबीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीबीक्षाधीन की उनकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है, या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीबीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे, और बढ़ा सकती है।
- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को सेवा मुख्यालय या सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा योजना में शामिल अन्तर सेवा संगठनों में से किसी एक में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि उन्हें किसी भी समय ऐसे किसी मुख्यालय या कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा सकता है।
- (5) सहायक इस संबंध में समय समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ऊंचे ग्रेडों में पदोन्नति पा सकेंगे।

(6) जो व्यक्ति सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के सहायकों के ग्रेड में नियुक्त हो गए हैं, उनका ऐसी नियुक्ति के उपरान्त, इस सेवा से बाहर किसी पद पर नियुक्ति अथवा स्थानान्तरण के लिये कोई अधिकार नहीं होगा।

सं० 12/16/75-के० से०-II—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्धक संस्थान (परीक्षा स्कंध) मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) नई दिल्ली द्वारा केन्द्रीय सचिवालय [आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III, सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III तथा भारतीय विदेश सेवा (बी०) के आशुलिपिक उप संवर्ग के ग्रेड-III में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए अप्रैल, 1976 में ली जाने वाली विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के लिये नियम जन साधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

2. विभिन्न सेवाओं में परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्धक संस्था (परीक्षा स्कंध) द्वारा जारी किए जाने वाले नोटिस में निर्दिष्ट की जाएगी। भारत सरकार द्वारा नियम रिक्तियों के संबंध में, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षण किए जाएंगे।

अनुसूचित जाति/आदिम जाति का अर्थ उस किसी भी जाति आदिम जाति से है जिसका बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के साथ पठित अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति आदेश सूची में (संशोधन) अधिनियम, 1956 संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश 1956 संविधान (अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित आदिम जाति आदेश 1959 संविधान (दादरा तथा नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश 1962 संविधान दादरा तथा नगर हवेली आदिम जाति आदेश, 1962 संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश 1964 संविधान (अनुसूचित आदिम जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 संविधान (गोवा दमन व दीव) अनुसूचित जाति आदेश 1968 संविधान (गोवा दमन तथा दीव) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित आदिम जाति आदेश, 1970 में उल्लेख है।

3. सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट में निर्धारित पद्धति के अनुसार ली जाएगी।

परीक्षा की तारीखों और स्थान सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. नियमित रूप में नियुक्त कोई भी स्थायी या अस्थायी अधिकारी जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता है, इस परीक्षा में बैठने तथा आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III को उन रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता करने के पात्र होगा जो उनकी लिपिक सेवा के सुसंगत हैं, अर्थात् केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड-III की रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता कर सकेंगे। सशस्त्र सेना

मुख्यालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी लिपिक/उच्च श्रेणी लिपिक सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के ग्रेड-III की रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता कर सकेंगे और आई० एफ० एस० (बी०) के ग्रेड-VI अथवा ग्रेड-V के अधिकारी आई० एफ० एस० (बी०) के प्राशुलिपिकों के ग्रेड-III के उप संवर्ग की रिक्तियों के लिये ही प्रतियोगिता कर सकेंगे ।

(1) सेवा की अवधि:—उसने निम्नलिखित ग्रेड में 1 जनवरी, 1976 की कम से कम तीन वर्ष की अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा कर ली हो:—

वर्ग—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड अथवा उच्च श्रेणी ग्रेड ।

टिप्पणी :—यदि किसी उम्मीदवार को गिनने योग्य कुल सेवा अंशतः केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में की गई हो तो भी तीन वर्ष की अनुमोदित तथा निरन्तर सेवा की सीमा लागू होगी ।

टिप्पणी 2:—केन्द्रीय सचिवालय सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड के वे अधिकारी जो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से निःसंवर्ग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हों तो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे । ये शर्तें उस अधिकारी पर भी लागू होती हैं जो स्थानान्तरण पर किसी निःसंवर्ग पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और यदि उस अधिकारी का केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा को अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो ।

टिप्पणी 3:—अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त अधिकारी का अर्थ उस अधिकारी से है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1962 के प्रारम्भ में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के किसी संवर्ग में आबंटित हो या उसके पश्चात् उस सेवा की अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में दीर्घ-कालीन आधार पर, जसी भी स्थिति हो निर्धारित कार्य-पद्धति के अनुसार नियुक्त हो ।

वर्ग - II:—सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा का अवर श्रेणी ग्रेड अथवा उच्च श्रेणी ग्रेड ।

टिप्पणी :—यदि किसी उम्मीदवार की संगणनीय सेवा अंशतः सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में तीन वर्ष की अनुमोदित तथा अविरत सेवा की सीमा भी लागू होगी ।

टिप्पणी 2:—सशस्त्र सेना मुख्यालय के अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड के वे अधिकारी जो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से निःसंवर्ग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हों तो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे । यह शर्तें उस अधिकारी पर भी लागू होती हैं जो स्थानान्तरण पर किसी निःसंवर्ग पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और यदि उस अधिकारी का सशस्त्र सेना मुख्यालय का अवर श्रेणी ग्रेड या उच्च श्रेणी ग्रेड में फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो ।

\*वर्ग-III भारतीय विदेश सेवा (बी०) का ग्रेड VI और/अथवा ग्रेड V ।

टिप्पणी 1:—भारतीय विदेश सेवा बी० का ग्रेड IV अथवा V के वे अधिकारी जो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से निःसंवर्ग पदों में प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हो तो, इस परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे ।

यह शर्तें उस अधिकारी पर भी लागू होती हैं जो स्थानान्तरण पर किसी निःसंवर्ग पद पर या किसी अन्य सेवा में नियुक्त किया गया है और उस अधिकारी का भारतीय विदेश सेवा "बी०" का ग्रेड VI तथा V में निर्णायक तारीख से फिलहाल कोई पूर्व ग्रहणाधिकार चलता जा रहा हो ।

2. आयु:—उसकी 1 जनवरी, 1976 को 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1931 से पहले नहीं होना चाहिए ।

5. ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में अतिरिक्त छूट दी जाएगी:—

(i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले) प्रजनन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से संबंधित हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद (लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले) प्रजनन करके भारत में आया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष,

( ) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत लंका समझौते के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रजनित हुआ हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति से सम्बन्धित हो तथा श्रीलंका से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो तो और अक्टूबर, 1964 के भारत लंका समझौतों के अधीन पहली नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से भारत में प्रजनित हुआ हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

(vi) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र गोवा, दमन और दीव का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

- (vii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और केन्या, उगांडा और संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व-टंगानिका और जंजीबार) से प्रवाहित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक,
- (viii) यदि उम्मीदवार बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवाहित हुआ हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जाति से संबंधित हो और बर्मा से आया हुआ वास्तविक देश-प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति हो और पहली जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवाहित हुआ हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (x) किसी दूसरे देश से संघर्ष के समय अथवा किसी उपद्रव-ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाहियों के समय अथवा अथवा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त रक्षा सेवा कामियों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष तक, और
- (xi) किसी दूसरे देश में संघर्ष के समय अथवा किसी उपद्रव-ग्रस्त इलाकों में फौजी कार्यवाही के समय अथवा अथवा उसके परिणामस्वरूप नौकरी से निर्मुक्त ऐसे रक्षा सेवा-कामियों के लिए, जो अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित आदिम जातियों से संबंधित हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक ;
- (xii) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान हमलों में विकलांग हुए तथा उनके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के कामियों के मामलों में अधिकतम तीन वर्ष तक,
- (xiii) 1971 में हुए भारत-पाक संघर्ष के दौरान हमलों में विकलांग हुए तथा उनके फलस्वरूप निर्मुक्त किये गये सीमा सुरक्षा बल के ऐसे कामियों के मामलों में अधिकतम 8 वर्ष तक जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के हों ।

ऊपर निर्धारित की गई आयु सीमाओं में उपर्युक्त शर्तों के अलावा किसी भी मामलों में ढील नहीं दी जाएगी ।

6. परीक्षा में प्रवेश के लिए किसी उम्मीदवार की पात्रता या अभावता के संबंध में संस्थान का निर्णय अंतिम होगा ?

7. ऐसे किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा यदि उसके पास संस्थान द्वारा दिया गया प्रवेश प्रमाण पत्र न हो ।

8. उम्मीदवार को संस्थान के नोटिस के अनुच्छेद 5 में निर्धारित कीस देनी होगी ।

9. अपनी उम्मीदवारी के लिए किसी भी साधनों द्वारा समर्थन प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार की ओर से कोई प्रयास किये जाने के प्रवेश के लिए उसे अनर्हता किया जा सकेगा ।

10. यदि किसी उम्मीदवार को संस्थान द्वारा निम्नलिखित शर्तों के लिए बोधी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो कि उसने—

- (i) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप में कार्य साधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण पत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं जिन में तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य किए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा भवन में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अभियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अनुचित आचरण किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया है तो उस पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—
  - (क) संस्थान द्वारा उस परीक्षा, से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
  - (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए
    - (i) संस्थान द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
    - (i) केन्द्रीय सरकार द्वारा, उसके अथवा किसी भी नौकरी से वारत किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है ।

11. परीक्षा के बाद उम्मीदवारों को संस्थान द्वारा तीन विभिन्न सूचियों में प्रत्येक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गए कुल अंकों द्वारा प्रकट होने वाले योग्यता क्रम के अनुसार रखा जायेगा और इसी क्रम में उसने उम्मीदवारों को, जिन्हें संस्थान परीक्षा द्वारा अंतः सभ्यता जाएगा केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-III सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा-ग्रेड-I तथा भारतीय विदेश सेवा के उप संबंध आशुलिपिक ग्रेड-III में परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने के लिए निश्चित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी ।



लेकिन यह भी शर्त कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या न भरी गई हो तो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध) द्वारा निर्धारित सामान्य मान के अनुसार उसे उस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए उपर्युक्त घोषित कर देने पर उस सेवा/पद में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों पर नियुक्ति की जाने के लिए परीक्षा में उसके योग्यता क्रम के स्थान पर ध्यान किए बिना ही उसकी सिफारिश कर दी जाएगी।

**टिप्पणी:—**उम्मीदवारों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रतियोगिता परीक्षा है न कि अंक परीक्षा/परीक्षा के परिणामों के आधार पर सेवा की ग्रेड-III में नियुक्ति किये जाने वाले व्यक्तियों की संख्या का निश्चय करने के लिए सरकार पूर्णतः सक्षम है। अतः किसी भी उम्मीदवार का इस परीक्षा में अपने निष्पादन के आधार पर, एक अधिकारी के तौर पर, ग्रेड-III आशुलिपिक के पद पर नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं होगी।

12. अलग-अलग उम्मीदवारों के परीक्षा के परिणामों की सूचना का स्वरूप तथा प्रकार के बारे में संस्थान द्वारा अपने विवेकानुसार निर्णय किया जाएगा और संस्थान उसके साथ परीक्षा फल के बारे में कोई पत्राचार नहीं करेगा।

13. परीक्षा में सफलता नियुक्ति के लिए तब तक कोई अधिकारी प्रदान नहीं करती जब तक कि सरकार यथा वश्यक जांच पड़ताल के पश्चात् सन्तुष्ट न हो जाय कि वह उम्मीदवार सेवा की ग्रेड-III में नियुक्ति के लिए सब प्रकार से उपयुक्त है।

वह उम्मीदवार जो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पश्चात् अथवा उसमें बैठने के पश्चात् अपने पद से त्यागपत्र दे देता है अथवा सेवा को अन्यथा छोड़ देते हैं। अथवा उसके साथ सम्बन्ध विच्छेद कर लेता है, अथवा उसके विभाग द्वारा उसकी नौकरी समाप्त कर दी जाती है अथवा जो उम्मीदवार "स्थानान्तरण" पर किसी संवर्ग बाह्य पद अथवा किसी दूसरी सेवा में नियुक्त किया जाता है और केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा अथवा सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा अथवा भारतीय विदेश सेवा (बी०) सामान्य संवर्ग में उसका पूर्व ग्रहणाधिकार नहीं होता है। इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

किन्तु यह उस उम्मीदवार पर लागू नहीं होता जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से किसी निःसंवर्ग पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है।

के० बी० नायर, अध्वर सचिव

### परिशिष्ट

उम्मीदवारों को अंग्रेजी या हिन्दी में ही परीक्षाएं देनी होंगी—  
एक 100 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट को तथा दूसरी 80 शब्द प्रति मिनट की गति से 10 मिनट की जो उम्मीदवार अंग्रेजी में परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें क्रमशः 50 तथा 65 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा और जो उम्मीदवार हिन्दी परीक्षा देने का विकल्प करेंगे उन्हें क्रमशः 60 तथा 75 मिनट में लिप्यन्तर करना होगा। आशुलिपि परीक्षा के लिए अधिकतम अंक 300 होंगे।

**टिप्पणी 1:—**जो उम्मीदवार आशुलिपिक की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें अपनी नियुक्ति के बाव अंग्रेजी आशुलिपिक और जो उम्मीदवार आशुलिपि को परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प लेंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि सीखनी आवश्यक होगी।

**टिप्पणी 2:—**जो उम्मीदवार विदेशों में स्थित किसी भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहते हैं और आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प लेना चाहते हैं उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षाएं देने के लिए विदेश में ऐसे भारतीय मिशन में जहां ऐसी परीक्षा लेने के आवश्यक प्रबंध हों, परीक्षा में सम्मिलित होना पड़ेगा।

2. उन उम्मीदवारों का स्थान, जो 100 शब्द प्रति मिनट पर श्रुतलेख में न्यूनतम अंक स्तर जैसा कि संस्थान द्वारा स्वेच्छा से निर्धारित किया जाए पर पास होंगे उन्हें 80 शब्द प्रति मिनट पर श्रुतलेख में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों से ऊपर रखा जाएगा और उन्हें प्रत्येक वर्ग के व्यक्तियों को प्रत्येक उम्मीदवार को दिये गए कुल अंकों द्वारा प्रकट परस्पर योग्यताक्रम में रखा जायेगा।

3. उम्मीदवारों को अपने आशुलिपि के नोटों का टाइपराइटर पर लिप्यान्तरण करना होगा और इस प्रयोजन के लिए उन्हें अपने साथ अपने-अपने टाइपराइटर लाने होंगे।

### PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th November 1975

No. 112-Pres./75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Border Security Force :—

Deputy Commandant,

Names and Ranks of the Officers

Shri Ram Mohan Sharma,

Deputy Commandant

99 Battalion,

Border Security Force.

Shri Shyam Singh Rawat,

Assistant Commandant,

99 Battalion,

Border Security Force,

3—351GI/75

Shri Matbar Singh Jathuri,  
Head Constable No. 67833053,  
99 Battalion,  
Border Security Force.

(Deceased)

Shri Yevito Sema,  
Lance Naik No. 73990280,  
99 Battalion,  
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 12th August, 1974 a Border Security Force party consisting of Shri Ram Mohan Sharma, Shri Shyam Singh Rawat, one Non-Gazetted Officer and 42 other ranks had an encounter with hostiles in Nagaland. The party was divided into three groups, one led by Shri Shyam Singh Rawat, Assistant Commandant another by the Deputy Commandant Shri Sharma and the third group by Head Constable Jathuri. Due

to his knowledge of the local terrain and tactics, Lance Naik Yevito Sema volunteered to lead the Border Security Force Party to the location of the camp of the hostiles disregarding the risks involved to his personal safety. When the assault groups approached the camp, the hostiles opened fire from automatic weapons. The fire was returned by the Border Security Force parties. A fierce exchange of fire ensued in which Head Constable Jathuri received a serious bullet injury on his right thigh but undaunted by his injury and the resultant loss of blood, the gallant Head Constable continued to lead his group and reached the position from where he could make the final assault. He, however, succumbed to his injuries later on. The resolute leadership, indomitable courage and sheer determination exhibited throughout the entire operation resulted in the successful elimination of the camp of highly trained and determined underground hostiles.

In this encounter Shri Ram Mohan Sharma, Shri Shyam Singh Rawat, Shri Matbar Singh Jathuri and Shri Yevito Sema exhibited conspicuous gallantry, indomitable courage and a high sense of devotion to duty in the face of very difficult circumstances and in disregard to their personal safety.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th August, 1974.

No. 113-Pres./75.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Reserve Police Force :—

*Name and Rank of the Officer*

Shri Jawahar Rai, (Deceased)  
Constable No. 68036715,  
36th Battalion,  
Central Reserve Police Force.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 9th August, 1974, information was received about the presence of some underground hostiles in village Theprezumi. A central Reserve Police Force party was detailed to work on the information and to arrest the hostiles. Constables Jawahar Rai and Keshar Singh were detailed as scouts of the Party. When Constable Jawahar Rai reached near the house where the hostiles were staying, he was greeted with a volley of stengun shots. Undeterred he rushed towards the house with his rifle in the hip position and challenged the undergrounds to surrender. At this stage Constable Jawahar Rai was hit on the right thigh as a result of the firing by some undergrounds concealing outside the house. In utter disregard of his personal safety constable Jawahar Rai jumped upon one of them and caught hold of his 9 mm Sten-gun with the magazine. While he was doing so, he received a burst in the left chest. Though sinking as a result of severe blood loss, gallant Constable Jawahar Rai continued to hold on to the stengun grabbed from the fleeing underground managed to hold on to his own rifle and fired two rounds from his hip position even in such a precarious condition.

In this encounter Shri Jawahar Rai exhibited conspicuous gallantry, great presence of mind and exemplary devotion to duty and finally sacrificed his life in the highest traditions of the Force.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 9th August, 1974.

No. 114-Pres./75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

*Name and Rank of the Officer*

Shri Mihir Kumar Chakraborty,  
Sub-Inspector,  
Chapra Police Station,  
Nadia District (West Bengal),

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 25th July, 1974, some extremist attacked a police camp at Mayapur in Nabadwip Police Station, killed the sentry on duty and took away 10 rifles and 195 rounds of ammunition besides some police uniforms. A general hunt for the miscreants was ordered in the district. On the night of 11/12 August, 1974, Sub-Inspector Mihir Kumar Chakraborty of Chapra Police Station received information about the assemblage of some armed extremists in a cluster of huts at village Potuabhangra. Realising that any delay might jeopardise the chances of apprehending the miscreants, the Sub-Inspector collected the force locally available and reached the hideouts of the extremists in the early hours of the morning and started the search. When the police party was nearing the house of one Keramat Ali, they were suddenly attacked by armed extremists and bombs were also hurled at them. Sub-Inspector Chakraborty made tactical deployment of his party which immediately took up position. In the heavy exchange of fire, the police were able to shoot down 4 extremists, capture one and recover two rifles, some police uniforms and ammunition from their possession.

In this encounter Sub-Inspector Mihir Kumar Chakraborty exhibited conspicuous courage, initiative leadership and high sense of devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th August, 1974.

No. 115-Pres./75.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Police :—

*Name and Rank of the Officer*

Shri Rewa Shanker, (Deceased)  
Constable, District Executive Force, Bhopal,  
Madhya Pradesh.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the night of the 5th April, 1975 at about 9.30 P.M. one Shri B. K. Nair an employee of Bharat Heavy Electricals (Ltd.) and his wife were surreptitiously waylaid by four unknown persons while they were going towards Barkheda shopping centre. Two of these culprits attacked Shrimati Nair and at the point of the knife, snatched away a gold chain from her neck while the remaining two caught hold of Shri Nair and forced him to part with his wrist watch and cash. The seismating couple drew the attention of Constables Rewa Shanker and Chhotelal of P.S. Govindapura, who were going in a State Transport Bus on night patrol duty. Constable Rewa Shanker immediately jumped out and advanced to apprehend the criminals. On seeing the policemen rushing towards them the accused persons took to their heels. The two constables gave them a hot chase. Constable Rewa Shanker succeeded in closing upon one of them and undeterred by the knife the criminal had been holding grappled with him. During the fell down in a pool of blood and succumbed to his injuries.

Constable Rewa Shanker exhibited conspicuous gallantry, indomitable courage and exceptional devotion to duty in the performance of which he laid down his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 5th April, 1975.

K. BALACHANDRAN, Secy.

## CABINET SECRETARIAT (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

*New Delhi, the 6th December 1975***RULES**

No. 6/42/75-CS(1).—The Rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1976 for the purpose of filling vacancies in the following Services/posts are published for general information :—

- (i) Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the Indian Foreign Service (B);
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service;
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service;
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service; and
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service.

1. A candidate may compete in respect of any one or more of the Services/posts mentioned above. He may specify in his application as many of these Services/posts as he may wish to be considered.

*N.B.*—Candidates are required to specify clearly the order of preferences for the Services/posts for which they wish to be considered. No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the last date prescribed by the Commission for receipt of applications in their office.

2. (i) The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution ((Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order 1951 [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971], the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962 the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

(ii) Reservation will also be made for candidates who are ex-servicemen in respect of vacancies in Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service as may be fixed by the Government.

*NOTE.*—For the purpose of these rules, "Ex-Servicemen" means a person who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz., Naval, Military or Air Forces of the Union) including the Armed Forces of the former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu and Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period

of not less than six months after attestation as on 27th January, 1976, and

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 27th January, 1976 for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either:—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or was not a resident of former Portuguese Territories of Goa, Daman and Diu before the 20th day of December, 1961 or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania, shall be permitted to compete more than two times at the examination. This restriction is effective from the examination held in 1962.

*NOTE 1.*—For the purpose of this rule, the examination will mean the Assistants' Grade Examination, the Assistants' Grade (Released EC/SSC Officers and ex-servicemen) Examination, and the Assistants' Grade (ex-servicemen) Examination.

*NOTE 2.*—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

*NOTE 3.*—A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st January, 1976 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1951 and not later than 1st January, 1956.

(b) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-servicemen to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for the vacancies reserved for ex-servicemen in Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service (cf. Rule 2).

*NOTE.*—The period of "call-up service" of an ex-serviceman in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purposes of Rule 6(b) above.

(c) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January 1964 but before 25th March, 1971.
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964.
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda or the United Republic of Tanzania;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) up to maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years if a candidate was a resident of the former Portuguese Territories of Goa, Daman and Diu before the 20th day of December, 1961;
- (xii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xiii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

7. A candidate must hold a degree of any of the Universities enumerated in Appendix I or must possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

NOTE I.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE II.—In exceptional cases, the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the above qualifications, as educationally qualified provided that he has passed an examination conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—Candidates who are otherwise eligible but who have taken degree from foreign universities which are not included in Appendix I may also apply and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's office after the closing date, will not be considered.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination;

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies in Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service reserved for Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the vacancies reserved for ex-servicemen subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various Services/posts (cf. col. 25—of the application form).

16. If on the result of the examination a sufficient number of qualified candidate is not available to fill the vacancies reserved for ex-servicemen in Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by the Government in this behalf.

17. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended, if considered necessary.

18. Candidates will be required to pass a test in type-writing at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi within a period of two years from the date of appointment to the Assistants' Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed periods they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistants' Grade until they pass such test or exempted from this requirement under a special or general order; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be fixed as if their increments had not been withheld, but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

(19) No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or,
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

(20) A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

21. Success at the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service/post.

22. Conditions of Service for Assistants in the Central Secretariat Service, Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, and the Armed Forces Headquarters Civil Service are briefly stated in Appendix III.

K. B. NAIR, Under Secy.

## APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India  
(Vide Rule 7)

### Indian Universities

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.

### Universities in Burma

- The University of Rangoon.
- The University of Mandalay.

### English and Wales Universities

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

### Scottish Universities

The Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

### Irish Universities

The University of Dublin (Trinity College), The National University of Ireland. The Queen's University, Belfast.

### Universities in Pakistan

The University of Punjab, The University of Sind.

### Universities in Bangladesh

- The Dacca University.
- The Rajshahi University.

### University in Nepal

The Tribhuvan University, Kathmandu.

## APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination (Vide Rule 7).

1. Alankar degree of Gurukul Vishwa Vidyalaya, Kangri, Haridwar.
2. Shastri of Kashi Vidyapith, Varanasi.
3. French Examination "Propédeutique."
4. Diploma in Rural Services of the National Council of Rural Higher Education.
5. Diploma in Rural Services of the Visva Bharati University.
6. Diploma in Commerce of All India Council for Technical Education.
7. National Diploma in Engineering or Technology of the All India Council for Technical Education, recognised by the Government for recruitment to superior Services and posts under the Central Government.
8. Diploma in Mining Engineering of the Indian School of Mines, Dhanbad.
9. 'Higher Course' of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry, provided that the Course has been successfully completed as a "full" student.
10. Shastri (with English) or Old Shastri or Sampurna Shastri examination with special examination in additional subjects with English as one of the subjects, i.e. Varishta Shastri of Varanaseya Sanskrit Visva Vidyalaya, Varanasi.

11. Diploma in the field of Humanities and Natural Sciences attesting graduation from a Higher Educational Establishment in the U.S.S.R. without defending first scientific thesis but having passed the State Examinations.
12. Bachelor of Arts (B.A.) and the Bachelor of Science (B.S.) degrees awarded by the American University of Beirut, Beirut, Lebanon.
13. Bachelor of Arts/Bachelor of Science and Bachelor of Arts (Hons) Bachelor of Science (Hons) degrees awarded by the University of Kent at Canterbury, England.
14. Navin Acharya (with English at Shastri Stage) examination of the Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit University, Darbhanga.

## APPENDIX II

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

	Max. Marks	Time Allowed
1. Essay .. .. .	100	2 hours
2. General English .. .. .	200	3 hours
3. Arithmetic .. .. .	100	2 hours
4. General Knowledge including Geography of India .. .. .	100	2 hours

2. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

3. Candidates are allowed the option to answer Paper 1 or Paper 3 or Paper 4 or all the three papers, either in Hindi (Devnagari) or in English. Paper 2 must be answered in English by all candidates. Question papers will, however, be set in English only. However, the question paper in Essay will also contain Hindi version of the English captions of essays.

NOTE 1.—The option will be for a complete paper and not for different questions in the same paper.

NOTE 2.—Candidates desirous of exercising the option to answer the aforesaid paper(s) in Hindi (Devanagari) should indicate their intention to do so in col. 8 of the application form. Otherwise it would be presumed that they would answer all the papers in English.

The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration in the said column shall be entertained.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

6. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

7. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression, combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of Coins, Weights and Measures. In the question paper, wherever necessary questions involving the use of metric system of Coins, Weights and Measures may be set.

## SCHEDULE

### SYLLABUS OF THE EXAMINATION

(1) Essay : An essay to be written on one of the several specified subjects.

### (2) General English :

- (i) Precis writing and drafting Questions to test their understanding and power to write English. Passages will usually be set for summary or precis. Candidates will also be required to draft letters, memoranda, etc., making an intelligent use of given matter.
- (ii) Questions on synonyms antonyms, idiomatic use of words and phrases and common errors.
- (iii) Parts of speech, analysis, syntax and direct and indirect speech.

Note.—In paper 2, questions on precis writing will carry 75 marks, drafting 75 marks and those on grammar, idioms etc. 50 marks.

The object of papers 1 and 2 is to test the candidates' ability to write the language correctly. Account will be taken of arrangements, general expression and workmanlike use of the language.

### (3) Arithmetic :

Simplifications involving decimal fractions. Ratio and Proportion, Percentages, Averages, Profit and Loss, Simple and Compound Interest. Problems involving Time and Distance, Time and Work, Graphical representation of Data, Reading of Linear Graphs and Tabulation of Data.

The questions will be designed to test intelligence, accuracy and rapidity in working.

Note.—Candidates may also use algebraic methods for solving questions, unless it is specified otherwise in the question paper.

- (4) General Knowledge including Geography of India : Knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature which candidates should be able to answer without special study.

## APPENDIX III

Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination.

### (1) Central Secretariat Service.

The Central Secretariat Service has at present four grades as follows :—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent)—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (2) Grade I (Under Secretary or equivalent)—Rs. 1200—50—1600.
- (3) Section Officers' Grade.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.
- (4) Assistants' Grade.—Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Note.—Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum pay of Rs. 710 p.m.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants' Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their option for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post included in the cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service Scheme.

(ii) **Indian Foreign Service (B).**

All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular and Commercial Missions and Posts abroad, and a few posts of Assistants in the Ministry of Foreign Trade, are included in Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of the Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV are as follows :—

Grade	Designation	Scale of Pay
Grade I	Under Secretaries at Hqrs. First and Second Secretaries in Missions and posts abroad.	Rs. 1200-50-1600.
Integrated Grade II and III	Attaches and Section Officers at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions and posts abroad.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200
Grade IV	Assistants at Hqrs. and in Missions and Posts abroad.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

Note.—Assistants promoted to the Integrated Grade II and III are allowed a minimum pay of Rs. 710/- p.m.

2. Candidates selected for Grade IV (Assistants) of the General Cadre of the IFS(B) will be appointed initially against temporary vacancies. They will, however, be confirmed, if otherwise eligible, in their turn in accordance with the Indian Foreign Service 'B' (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, depending on the availability of substantive vacancies. Appointment to Grade IV, will normally be made in the order of ranks assigned to the candidates by the Union Public Service Commission subject to the rejection of those not found suitable for service abroad.

3. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from Service.

4. Persons appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to posts included in the Cadre of the Central Secretariat Service, and the Railway Board Secretariat Service. Further, all such persons will be liable to serve in any post either in India or abroad to which they may be posted.

5. While employed in India, members of the Indian Foreign Service (B) are allowed such allowances in addition to their basic pay as may be admissible to other Central Government employees holding similar posts. When posted abroad, these officers are eligible for the grant of certain concessions such as foreign allowance, free furnished residential accommodation, children's education allowance, outfit allowance and passages for themselves and for their families, etc., according to the scales laid down for these benefits by the Government from time to time. These concessions are liable to be withdrawn, modified or enhanced in accordance with such general decisions as the Government may take.

6. All Officers appointed to the I.F.S. (B) will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also by

other rules and Regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the Service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the I.F.S. (B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B). (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

Note.—In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1961, a limited quota is available to officers in Grade I of the Indian Foreign Service (B) for promotion to the Senior scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of pay of Rs. 1200—(Sixth year or under)—50—1300—60—1600—EB—60—1900—100—2000.

(iii) **Railway Board Secretariat Service**

(a) The service conditions of staff employed in the Ministry of Railways so far as Recruitment, Training Promotion etc. are concerned are regulated by the Railway Board Secretariat Service Rules, 1969, which are broadly similar to the Central Secretariat Service Rules, 1962.

(b) The Railway Board Service consists of the following grades :—

(i) Selection Grade : such posts in the grade of Joint Directors/Dy. Secretary Railway Board as may from time to time to be held by officers of the Railway Board Secretariat Service Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(ii) (a) Dy. Directors Grade : Such posts of Dy. Directors, Railway Board as may from time to time be held by Officers of the Railway Board Secretariat Service Rs. 900—50—1250 plus special pay of Rs. 200/- p.m.

The revised scale of pay of this Grade is still under consideration and the revised scale as may be decided by the Government will be applicable.

(b) Grade I : Assistant Directors & Under Secretaries Rs. 1200—50—1600.

(iii) Section Officers Grade Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(iv) Assistants Grade Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Direct recruitment is made to the posts of Section Officers and Assistants. Assistants promoted as Section Officers are allowed a minimum pay of Rs. 710/- p.m.

(c) The Railway Board's Secretariat Service is confined to the Ministry of Railways and the staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Service.

(d) Officers recruited direct as Assistants will have to undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge from the service.

(e) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(f) Officers of the Railway Board Secretariat Service recruited under these rules;

(i) will be eligible for pensionary benefits; and

(ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the Rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

(g) The staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to the other Railway Staff.

(h) As regards leave and other conditions of service, staff included in the Railway Board's Secretariat Service are treated in the same way as other Railway Officers but in the



matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iv) **The Armed Forces Headquarters Civil Service**

The Armed Forces Headquarters Civil Service has at present four grades as follows :—

Grade	Scale of pay
(1) <del>Selection Grade</del> (Joint Director or Senior Civilian Staff Officer) (Class I)	Rs. 1500-60-1800.
* (2) Civilian Staff Officer (Class I)	Rs. 740-30-800-50-1150.
(3) Assistant Civilian Staff Officer (Class II Gazetted)	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.
(4) Assistant (Class II—Non-Gazetted).	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.

\* Pre-revised scale of pay.

**NOTE:** An Officer of the Grade of Assistant promoted to the Grade of Assistant Civilian Staff Officer shall be allowed a minimum initial pay of Rs. 710/- in the scale for the Grade of Assistant Civilian Staff Officer.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training, or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter-Service Organisations participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post not included in that Service.

No. 12/16/75-CS-II.—The rules for a departmental competitive examination to be held by the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing), Cabinet Secretariat (Department of Personnel & Administrative Reforms), New Delhi, in April, 1976 for the purpose of filling temporary vacancies in Grade III of the Central Secretariat Stenographers' Service, Grade III of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service, and Grade III of Stenographers' Sub-cadre of Indian Foreign Service (B) are published for general information.

2. The number of vacancies in various Services to be filled on the result of the examination will be specified in the Notice issued by the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing). Reservations will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order 1956, read with the Bombay Reorganisation Act, 1960, and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment), Act 1956, the Constitution (Jammu & Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and

Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order 1970.

3. The examination will be conducted by the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing), in the manner prescribed in the Appendix to these Rules.

The date on which and the places at which the examination will be held, shall be fixed by the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing).

4. Any permanent or temporary regularly appointed officer who satisfies the following conditions shall be eligible to appear at the examination and compete for vacancies in Grade III of the Stenographers' Service corresponding to their Clerical Service only i.e. LDCs/UDCs of C.S.C.S. will be eligible for competing for vacancies in Grade III of the CSSS only; LDCs/UDCs of A.F.H.Q. Clerical Service will be eligible for competing for vacancies in Grade III of A.F.H.Q. Stenographers' Service only and officers of Grade VI or Grade V of I.F.S. (B) will be eligible for competing for vacancies in Grade III of the Stenographers' sub-cadre of I.F.S. (B) only.

1. **Length of Service**.—He should have, on the 1st January, 1976, rendered not less than three years approved and continuous service in any one of the following three categories :—

**Category I :** The Lower Division Grade or Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

Note 1. The limit of three years of approved and continuous service will also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

Note 2. Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer, if he continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service for the time being.

Note 3. Regularly appointed officer to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade means an officer allotted to any of the cadres of the Central Secretariat Clerical Service at the commencement of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 or appointed thereafter on a long term basis to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Service as the case may be, according to the prescribed procedure.

**Category II :** The Lower Division Grade or Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service.

Note 1 :—The limit of three years of approved and continuous service shall also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service.

Note 2. Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if such officer continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service for the time being.



Category III : Grade VI and/or Grade V of the Indian Foreign Service, Branch (B).

Note 1.—Officers of Grade VI or Grade V of the Indian Foreign Service Branch (B) and those who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in Grade VI or Grade V of the Indian Foreign Service Branch (B) for the time being on the crucial date.

2. Age : He should not be more than 45 years of age on the 1st January 1976 i.e. he must not have been born earlier than 2nd January, 1931.

5. The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January, 1964 (but before 25th March, 1971);
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Service personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xii) up to maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof; and

- (xiii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

6. The decision of the Institute as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

7. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Institute.

8. Candidates must pay the fee prescribed in paragraph 5 of the Notice.

9. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission to the examination.

10. A candidate who is or has been declared by the Institute to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :

- (a) to be disqualified by the Institute from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Institute, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) to disciplinary action under the appropriate rules.

11. After the examination the candidates will be arranged by the Institute in three separate lists, in the order of merit, as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Institute to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unserved vacancies decided to be filled on the results of the examination in the Central Secretariat Stenographers' Service—Grade III, Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade III, and Stenographers' sub-cadre of the Indian Foreign Service (B)—Grade III.

Provided that the candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the

general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for selection to the Services, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Note.—Candidates should clearly understand that this is a competitive and not a qualifying examination. The number of persons to be appointed to Grade III of the Services on the results of the examination is entirely within the competence of Government to decide. No candidate will, therefore, have any claim for appointment as a Stenographer Grade III on the basis of his performance in this examination, as a matter of right.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute in their discretion and the Institute will not enter into correspondence with them regarding the result.

13. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to Grade III of the Service.

A candidate who, after applying for admission to the examination or after appearing at it, resigns his appointment or otherwise quits the Service or severs his connection with it, or whose services are terminated by his department or who is appointed to an ex-cadre post or to another service on 'transfer' and does not have a lien on Central Secretariat Clerical Service or Armed Forces Headquarters' Clerical Service or Indian Foreign Service (B), General Cadre, will not be eligible for appointment on the results of this examination.

This, however, does not apply to a candidate who has been appointed on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority.

K. B. NAIR,  
Under Secy.

## APPENDIX

Candidates will be given two dictation tests in English or in Hindi one at 100 words per minute for seven minutes and another at 80 words per minute for 10 minutes. The candidates who opt to take the test in English will be required to transcribe the matter in 50 and 65 minutes and the candidates who opt to take the test in Hindi will be required to transcribe the matter in 60 and 75 minutes respectively. The shorthand tests will carry a maximum of 300 marks.

Note 1.—Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English stenography, and *vice versa*, after their appointment.

Note 2.—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to take the Stenography Tests in Hindi may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard as may be fixed by the Institute in their discretion, in the dictation at 100 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in dictation at 80 words per minute, persons in each group being arranged *inter-se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate.

3. Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.